बाबा मुक्तानन्द के चान्द्र जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सीधे वीडिओ प्रसारण द्वारा सिद्धयोग सत्संग शुक्रवार, ५ मई, २०२३

२२ अप्रैल, २०२३

आत्मीय पाठक,

आज Earth Day है ['अर्थ डे' यानी पृथ्वी को समर्पित दिवस]; लोगों का पृथ्वी के प्रति जो उत्तरदायित्व है, उस ओर उनका ध्यान लाने के लिए सन् १९७० में संयुक्त राष्ट्र अमरीका में पहली बार यह दिवस मनाया गया था। विश्वभर में, लोग इस दिन समय निकालकर माता पृथ्वी का सम्मान करते हैं, उस तत्त्व को पहचानकर उसका संरक्षण करते हैं जो सभी प्राणियों के जीवन को बनाए रखता है। सिद्धयोग पथ पर, हमने गुरुमाई चिद्विलासानन्द से सीखा है कि हम प्रकृति के साथ एकलय हो जाएँ : एक वृक्ष हमसे क्या कहना चाह रहा है, उसे सुनें; एक पशु की आँखों को पढ़ें और समझें; रेत के बहाव और गति को ध्यान से देखें और—विशिष्ट रूप से मई माह में—संकेतचिह्नों को ढूँढ़ें।

श्रीगुरुमाई ने हमें सिखाया है कि हम विशेष रूप से बाबा मुक्तानन्द के संकेतचिह्नों को अपने आस-पास खोजें। कुछ वर्षों पूर्व, एक सत्संग में श्रीगुरुमाई ने कहा था कि उन्हें बादलों में अंग्रेज़ी का अक्षर "M" ["एम", बाबा जी के नाम "मुक्तानन्द" का पहला अक्षर] दिखाई देता, विशेष तौर पर मई, अगस्त और अक्टूबर माह के दौरान—मई का माह जब बाबा जी का जन्म हुआ था, अगस्त में जब बाबा जी को दिव्य दीक्षा प्राप्त हुई थी और अक्टूबर में जब बाबा जी ने महासमाधि ली। और अब, जब से श्रीगुरुमाई ने इस अनुभव की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट किया है, हमें पूरे वर्ष अपने आस-पास के संसार में अंग्रेज़ी का अक्षर "M" दिखता है!

सिद्धयोग पथ पर हम अपने जीवन के हर दिन, बाबा जी की कृपा और प्रज्ञान का उत्सव मनाते हैं और हमें विशेष रूप से उनका जन्मोत्सव मनाना अत्यन्त प्रिय है। दो सप्ताहों बाद, शुक्रवार, ५ मई को पूर्णिमा के दिन बाबा मुक्तानन्द का चान्द्र जन्मदिवस है। आइए, साथ मिलकर बाबा जी का जन्मदिवस मनाते हैं—सीधे वीडिओ प्रसारण द्वारा होने वाले एक सिद्धयोग सत्संग में। यह सत्संग न्यूयॉर्क

समयानुसार सुबह १०:०० बजे आरम्भ होगा और इसमें हम श्रीगुरुगीता का पाठ करेंगे, बाबा जी के नाम का संकीर्तन करेंगे और ध्यान करेंगे।

५ मई को सिद्धयोग वैश्विक हॉल में आप सभी के साथ बाबा जी के आनन्द की अनुभूति करने की मुझे प्रतीक्षा रहेगी!

महोत्सव के आनन्द के साथ,
मीरा लॉबा-ज़पीरो

© २०२३ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।